NEW EDUCATION POLICY (NEP) 2020

UNIVERSITY DEPARTMENT OF

Tribal and Regional Languages (TRL)

HONOURS

PROGRAMME

KHORTHA

SUBJECT CODE = 21

FOR UNDER GRADUATE COURSES UNDER VINOBA BHAVE UNIVERSITY

Implemented from
Academic Session 2022-2026

सेवा में,

कुलसचिव महोदय

विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

विषय–स्नातक स्तरीय निर्मित पाठ्यक्रम का समर्पण

महाशय,

भवदीय कार्यालय आदेश ज्ञापांक वि. भा. वि. /स्था. 2802/2023 दिनांक 07.11. 2023 में अंकित विश्वविद्यालय पत्रांक VBU/R/1771/2023 दिनांक 23.06.2020 द्वारा निर्गत् पत्र के आलोक में NEP–2020 अन्तर्गत् जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के खोरठा, कुड़माली तथा संथाली भाषाओं के पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु निम्नलिखित सदस्यों की समिति गठित की गयी है–

क्रम.	नाम	पदनाम	समिति में पद
1.	डॉ. नीरज डांग	समन्वयक, TRL-VBU	अध्यक्ष
2.	प्रो. बीरबल महतो	अतिथि शिक्षक, खोरठा	सदस्य
3.	डॉ. मुन्नाराम महतो	अतिथि शिक्षक, कुड़माली	सदस्य
4.	श्री राम प्रसाद महतो	अतिथि शिक्षक, कुड़माली	सदस्य
5.	श्री गणेश मुर्मू	अतिथि शिक्षक, संथाली	सदस्य
6.	श्री चन्द्र मोहन टुडु	अतिथि शिक्षक, संथाली	सदस्य

सादर निवेदन है कि गठित समिति द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम को हम समर्पित करना चाहते हैं।

अतः श्रीमान् से अनुरोध है कि इसे स्वीकार कर लिया जाय।

विश्वास भाजन

हस्ताक्षर–

खोरठा स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य

खोरठा स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नांकित लक्ष्यों को प्राप्त करना है:

1. खोरठा साहित्य का अध्ययन प्रस्तुत करना।
2. खोरठा भाषा, साहित्य और समाज को समझने में लोगों को मदद करना।।
3. नई पीढ़ी को खोरठा साहित्य की ओर प्रेरित करना।
4. खोरठा साहित्य के को समाज में प्रतिष्ठित करना और उनके कृतियों को प्रकाश में लाना।
5. खोरठा साहित्य के महत्व और प्रतिष्ठा में वृद्धि करना।
6. खोरठा साहित्य का संकलन, संचयन प्रशासन और मूल्यांकन को दिशा देना।
7. विद्यार्थियों को कुशल संवेदनशील और जिम्मेवार नागरिक बनाना।
8. भाषा संबंधी कौशल का विकास करना।
9. उच्चारण, वर्तनी और लिपि का सही ज्ञान करना।।
10. मूलभूत कौशल यथा लेखन श्रवण और अभिव्यक्ति कला को विकसित करना।
11. एक कुशल वक्ता का निर्माण करना।
12. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
13. स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विभिन्न विशिष्ट साहित्यों से परिचित कराना।
14. समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।
15. समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता एवं मैत्रीपूर्ण भावना का विकास करना।।
16. माननीय मूल्य के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना।
17. साहित्य में राष्ट्र और राष्ट्रवाद के सही अर्थों को बताना।
18. राष्ट्रीय चेतना का विकास करना
19. भाषिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक विरासतों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में स्थापित करते हुए समानता का अवसर प्राप्त करना।

खोरठा स्नातक पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम

स्नातक खोरठा (प्रतिष्ठा) कार्यक्रम से संबद्ध अधिगम परिणाम इस प्रकार हैं:–

1. साहित्य संप्रेषण के आधर बिंदुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में स्पष्ट समझ विकसित हो सके।
2. खोरठा साहित्य और भाषा का व्यवस्थित और तर्कसंगत ज्ञान करना ताकि उसके सैद्धान्तिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य के विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास करना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5 स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक सांस्कृतिकता के वृहद संजाल के बारे में जानकारी देना ताकि विद्यार्थियों में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित हो सके।
6. समीच्य दृष्टि और व्यवस्थित वैचारिकी का प्रदर्शन करना जिससे **ख**ोरठा साहित्य के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा और प्रश्न उत्पन्न हो सके।
7. आधुनिक संदर्भ में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए **ख**ोरठा साहित्य की जानकारी देना।
8. प्रत्येक स्तर पर जीवन के मूल्य और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।
9. विद्यार्थियों में श्रवण, लेखन और वाचन के साथ–साथ कल्पना शक्ति का विकास करना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग को तलाशना
11. वर्तमान योग सूचना क्रांति का युग है जिसमें अभिव्यक्ति की प्रधानता है ऐसे में तकनीकी के विकास ने साहित्य संचरण को अत्यन्त सुगम बना दिया है इसी के परिपेक्ष में खोरठा साहित्य लेखन और अनुवाद का मंच प्रदान करना जिसका उपयोग कर जनसंचार से लेकर व्यक्तित्व विकास से तक में विद्यार्थी निष्णांत हो सके। विद्यार्थी की रुचियों को एक व्यवस्थित रूप देना और उन्हें विभिन्न विधाओं में से चयन की स्वतंत्रता प्रदान करना ताकि वे स्नातक पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के बाद खुद ही साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में से अपनी रुचि के अनुसार चयन कर सकें।
12. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जान जानने के प्रति जागरूकता पैदा करना।
13. भारतीय साहित्य के वाङमय में खोरठा भाषा को स्थापित करना।
14. मातृभाषा, मातृभूमि की सेवा प्रेम को अटूट बनाना।
15. ग्रामीण और शहर के विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं साहित्यिक दृष्टिकोण से मजबूत बनाते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ना।

Table 1: Credit Framework for Four Year Undergraduate Programme (FYUGP) under State Universities of Jharkhand [Total Credits = 1601

Level of Courses	Semester	MJ; DisciplineSpecific Comses - Core or Major (80)	MN; Minor from discipline (16)	MN; Minor from vocational (16)	MDC; Multidisciplinary Courses (Life sciences, Physical Sciences, Mathematical and Computer Sciences, Data Analysis, Social Sciences, Humanities. etc.) (9)	AEC; Ability Enhancement Courses (Modern Indian Language and English) (8)	SEC; SkillEnhancementCourses (9)	VAC: ValueAdded Courses(6)	AP; Internship! Dissertation(4)	RC; ResearchCourses(12)	AMJ; Advanced Courses in lieuof Research(12)	Cred-its	Double Major (DMJ)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
100-199: Foundation or Introductory courses	I	4	4		3	2	3	4				20	4+4
	II	4+4		4	3	2	3					20	4+4
	Exit Point: Undergraduate Certificate provided wth Summer Internship/ Project (4 credits)												
200-299: Intermediate-level courses	III	4+4	4		3	2	3					20	4+4
	IV	4+4+4		4		2		2				20	4+4
	Exit Point: Undergraduate Diploma provided with Summer Internship In 1st or 2nd year/ Project (4 credits)												
300-399: Higher-level courses	V	4+4+4	4						4			20	4+4
	VI	4+4+4+4		4								20	4+4
	Exit Point: Bachelor's Degree												
400-499: Advanced courses	VII	4+4+4+4	4									20	4+4
	VIII	4		4						12	4+4+4	20	4+4
	Exit Poin : Bachelor's Degree with Hons. /Hons. with Research											160	224

Note: Honours students not undertaking research will do 3 courses for 12 credits in lieu of a Research project / Dissertation.

COURSES OF STUDY FOR FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME **2022 onwards**

Table 2: Semester wise Course Code and Credit Points for Single Major:

	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses		
	Code	Papers	Credits
I	AEC	Language a.nd Communication Skills (MTL-l; Modem indian language including TRL)	2
	VAC-1	Value Added Course-I	4
	SEC-I	Skill Enhancement Course-I	3
	MDC-1	Multi-disciplinasy Course-I	3
	MN-lA	Minor from Discipline-I	4
	MJ-1	Major paper I (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
II	AEC-2	Language and Communication Skills (English)	2
	SEC-2	Skill Enhancement Course-2	3
	MDC-2	Multi-disciplinasy Course-2	3
	MN-2A	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-2	Major paper 2 (Disciplinary/lnterdisciplinary Major)	4
	MJ-3	Major paper 3 (Disciplinary/lnterdisciplinary Major)	4
III	AEC3	Language and Communication Skills (MIL-2; Modem Indian language including TRL)	2
	SEC-3	Skill Enhancement Course-3	3
	MDC-3	Multi-disciplinary Course-3	3
	MN-lB	Minor from Discipline-I	4
	MJ-4	Major paper 4 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-5	Major paper 5 (Disciplinary/InterdisciplInary Major)	4
IV	AEC-3	Language and Communication Skills (MIL-2/ English-2)	4
	VAC-2	Value Added Course-2	2
	MN-2B	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4

	MJ-6	Major paper 6 (Disciplinary/InterdisciplInary Major)	4
	MJ-7	Major paper 7 (DisciplinaryllnterdisciplinaryMajor)	4
	MJ-8	Major paper 8 (DisciplinaryflnterdisciplinaryMajor)	4
V	MN-iC	Minoi from Discipline-I	4
	MJ-9	Major paper 9 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-10	Major paper 10 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-1	I Major paper Ii (Disciplinarylinterdisciplinary Major)	4
	IAP	Internship/Apprenticeship/Field Work/Dissertation/Project	4
VI	MN-2C	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-I2	Major paper 12 (DisciplinaryllnterdisciplinaryMajor)	4
	MJ-13	Major paper 13 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-14	Major paper 14 (DisciplinaryllnterdisciplinaryMajor)	4
	MJ-15	Major paper 15 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VII	MN-ID	Minor from Discipline-I	4
	MJ-16	Major paper l6 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-17	Major paper 17 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-18	Major paper 18 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-I9	Majorpaper 19 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VIII	MN-2D	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-20	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	RC/	Research Internship/Field Work/Dissertation	12/
		OR	
	AMJ- I	Advanced Major paper-i (Disciplinary/InterdisciplInary Major)	4
	AMJ-2	Advanced Major paper-2 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	AMJ-3	Advanced Major paper-3 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
		Total Credit	**160**

SEMESTER -I

कोड– **MAJOR COURSE - MJ 1:** क्रेडिट–04

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा साहित्य – आदिकाल से आधुनिक काल तक

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रारंभिक और मध्यकाल के स्वरूप से परिचित हों सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	खोरठा साहित्य का काल विभाजन, आदिकाल का नामकरण, आदिकाल की परिस्थितियाँ	01 क्रेडिट
इकाई – 2	मध्यकालीन काव्य की प्रवृतियाँ	01 क्रेडिट
इकाई – 3	आधुनिक काल की काव्य का स्वरूप	01 क्रेडिट
इकाई – 4	कवि परिचय और रचनाएँ, राजा दलेल सिंह, राजा रूद्र प्रताप सिंह पदम दास, भवप्रीतानन्द ओझा, तितकी राय, भुवनेश्वर दत्त शर्मा 'व्याकुल'	01 क्रेडिट

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

•	सप्रसंग व्याख्या पंक्ति	:	1× 5= 5
•	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		5× 2= 10
•	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		4×15=60
		कुल	75 अंक
•	आंतरिक मूल्यांकन	:	25 अंक
		कुल :	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -2

कोड – MAJOR COURSE - MJ 2: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा लोक साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा लोक साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप से परिचित हों सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	लोकसाहित्य का सामान्य परिचय, खोरठा लोकसाहित्य के प्रकार	01 क्रेडिट
इकाई – 2.	लोकगीत – परिभाषा, खोरठा लोकगीतों का वर्गीकरण, विशेषताएं और महत्व	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	लोककथा – परिभाषा, खोरठा लोककथा का वर्गीकरण, विशेषताएं और महत्व	01 क्रेडिट
इकाई – 4.	प्रकीर्ण साहित्य–खोरठा लोकोक्ति, मुहावरा, एवं बुझौवल परिभाषा विशेषताएं	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. खोरठा लोक साहित्य – झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान
2. खोरठा लोकसाहित्य सार – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा प्रकीर्ण साहित्य – बीरबल महतो

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय / व्याख्यात्मक प्रश्न		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -2

कोड – MAJOR COURSE - MJ 3: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा व्याकरण

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा भाषा व्याकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप एवं व्याकरण से परिचित हों सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. खोरठा भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव–विकास, नामकरण एवं क्षेत्रीय रूप 01 क्रेडिट

इकाई – 2 .वर्ण विचार, शब्द विचार–संज्ञा, लिंग, वचन, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, 01 क्रेडिट

इकाई – 3 काल, कारक, .अव्यय (क्रियाविशेषण, सम्बन्धबोधक, समुच्चबोधक, विस्मयादिबोधक)
वाच्य, वाक्य (रचना की दृष्टि से भेद) 01 क्रेडिट

इकाई – 4. शब्द निर्माण–उपसर्ग–प्रत्यय, (प्रत्यय से भाववाचक संज्ञा एवं विशेषण बनाना) एवं समास 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरण – ए. के. झा
2. खोरठा भाषा व्याकरण – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा व्याकरण – बीरबल महतो

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 3

कोड – AEC COURSE -AEC 3: **क्रेडिट–02**

अंक –50 (बाह्य 50 आंतरिक–0) **समय– 90 मिनट**

खोरठा व्याकरण

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा भाषा व्याकरण, संक्षेपण, अनुवाद, पत्र लेखन एवं निबंध से परिचित हों सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. वर्ण, संज्ञा, लिंग, वचन, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, काल, कारक, वाक्य, वाच्य, समास, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, उनार्थक शब्द, मुहाबरा, लोकोक्ति, 01 क्रेडिट

इकाई – 2 .संक्षेपण, अनुवाद, पत्र लेखन एवं निबंध (सामाजिक, सांस्कृतिक, सामयिक साहित्यिक) 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरण – ए. के. झा
2. खोरठा भाषा व्याकरण – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा व्याकरण – बीरबल महतो

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल 08 प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय निबंध प्रश्न 3 में से 1 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

• वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10×1 = 10
• संक्षेपण	1×5 = 05
हिन्दी अवतरण का खोरठा में अनुवाद	1×5 = 05
• पत्र लेखन प्रश्न	1× 5 = 05
• व्याकरण प्रश्न	3× 5 = 15
• निबंध प्रश्न	1 ×10 = 10
	कुल 50 अंक

•

SEMESTER -3

कोड– MAJOR COURSE - MJ - 4: क्रेडिट–04

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के पद्य खंड में आधुनिक काल के रचनाकारों का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. आधुनिक काल का परिचय, उपखंड एवं प्रवृतियाँ 01 क्रेडिट

इकाई – 2. पाठ्य पुस्तक–केंवराक गमक (खोरठा कविताक झोंपा) . 03 क्रेडिट

अनुशंसित पाठ्य पुस्तक –

केंवराक गमक (खोरठा कविताक झोंपा) – सम्पादक– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप –

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

• सप्रसंग व्याख्या पंक्ति		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -3

कोड– MAJOR COURSE - MJ - 5: क्रेडिट–04
अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का कहानी साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–।

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के गद्य विधा के साथ साथ कहानी साहित्य का विशेष का ज्ञान मिलेगा।

प्रस्तावित संरचना

कहानी साहित्य की लोकप्रिय विधा है। इस पत्र में बिद्यार्थी प्रतिनिधि कहानी एवं कहानीकार से अवगत होंगे।

इकाई – 1. कहानी– परिभाषा, तत्त्व, वर्गीकरण 01 क्रेडिट
इकाई – 2. खोरठा कहानी लेखन का इतिहास 01 क्रेडिट
इकाई – 3. पाठ्य पुस्तक–खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ – 02 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

अनुशंसित पाठ्य पुस्तक – खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ– सम्पादक– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- सप्रसंग व्याख्या पंक्ति : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -4

कोड– MAJOR COURSE - MJ - 6: क्रेडिट–04

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का उपन्यास साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है– खोरठा उपन्यास खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इस पत्र में विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के गद्य विधा में उपन्यास साहित्य का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. उपन्यास साहित्य की परिभाषा, तत्व वर्गीकरण, 01 क्रेडिट

इकाई – 2. खोरठा उपन्यास लेखन का इतिहास 01 क्रेडिट

इकाई – 3. पाठ्य पुस्तक– जीएक जंजाल भेल – चित्तरंजन महतो 'चित्रा' 02 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें– खोरठा भाषा और साहित्य– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

अनुशंसित पाठ्य पुस्तक – जीएक जंजाल भेल – चित्तरंजन महतो 'चित्रा'

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न			1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -4

कोड– MAJOR COURSE - MJ - 7: क्रेडिट–04

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का नाटक साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के गद्य के नाटक विधा का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. नाटक साहित्य की परिभाषा, तत्व, वर्गीकरण, 02 क्रेडिट

इकाई – 2. खोरठा नाटक लेखन का इतिहास 01 क्रेडिट

इकाई – 3. पाठ्य पुस्तक– अजगर (नाटक)– विश्वनाथ दसौंधी 'राज' 01 क्रेडिट

अनुशंसित पाठ्य पुस्तक– अजगर (नाटक) – विश्वनाथ दसौंधी 'राज'

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -4

कोड– MAJOR COURSE - MJ - 8: क्रेडिट–04

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का साहित्यिक निबंध

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के गद्य के साहित्यिक निबंध का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	साहित्यिक निबंध की परिभाषा, तत्व वर्गीकरण,	01 क्रेडिट
इकाई – 2.	भाषा संबंधी निबंध (खोरठा के उद्भव विकास, क्षेत्र,–बिस्तार आदि विषय पर)	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	साहित्य संबंधी निबंध (खोरठा के साहित्यकारों के विषय पर)	01 क्रेडिट
इकाई– 4	संस्कृति संबंधी निबंध (पर्व त्योहार एवं संस्कार के विषय पर)	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

खोरठा का साहित्यिक निबंध– डा. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय प्रश्न		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -5

कोड– MAJOR COURSE - MJ - 9: क्रेडिट–04

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के गद्य विधा की आधुनिक अन्य विधाओं का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

सामान्य परिचय, गद्य साहित्य की आधुनिक बिधाएँ

इकाई – 1. संस्मरण : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ 01 क्रेडिट
जीवनी : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ

इकाई – 2. यात्रा वृतान्त : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ 01 क्रेडिट
डायरी : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ

इकाई – 3. समीक्षा : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ 01 क्रेडिट
आलोचना : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ
. समालोचना : उद्‌भव – विकास, परिभाषा, तत्त्व व विशेषताएँ

इकाई – 4. खोरठा साहित्य की अन्य विधा की रचनाओं का अध्ययन
01 क्रेडिट

अनुशंसित पाठ्य पुस्तक : –

खोरठा साहित्य की अन्य विधाएँ– सम्पादक– डा. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 5

कोड– MAJOR COURSE - MJ 10: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा काव्य के विविध रूप

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के महाकाव्य, खंडकाव्य एवं शिष्ट गीत की विशेषताओं से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	खोरठा काव्य साहित्य के विविध रूप की परिभाषा एवं विशेषताओं सहित निम्नाकिंत पुस्तकों का अध्ययन–क्रमशः	01 क्रेडिट
इकाई – 2.	**महाकाव्य** – पाठ्य पुस्तक– मइछगंधा– शिवनाथ प्रमाणिक	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	**खंड काव्य** – पाठ्य पुस्तक– अगनि परीखा– श्रीनिवास पानुरी	01 क्रेडिट
इकाई – 4.	**शिष्ट गीत** – पाठ्य पुस्तक– कोरइया फूल – बासु बिहारी	01 क्रेडिट

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

•	लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	1×5=5
•	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		5×2=10
•	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		4×15=60
		कुल	75 अंक
•	आंतरिक मूल्यांकन	:	25 अंक
		कुल :	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -5

कोड– MAJOR COURSE - MJ -11: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा भाषा का भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा भाषा विज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	खोरठा भाषा का परिचय, विशेषताएँ, खोरठा भाषा कर क्षेत्रीय रूप	01 क्रेडिट
इकाई – 2.	खोरठा बोली के रूप में, खोरठां बोली से भाषा कैसे बनी?	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	खोरठा भाषा का ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान,	01 क्रेडिट
इकाई – 4.	खोरठा भाषा का अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान – बाबुराम सक्सेना
4. खोरठा का भाषा विज्ञान – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
5. खोरठा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन– ए. के. झा

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 6

कोड – MAJOR COURSE - MJ - 12 **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाएँ

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थियों में अच्छे लेखक बनने की अभिरूचि पैदा होगी।
2. विचारों का संवहन, प्रचार–प्रसार, संचार माध्यमों के विभिन्न रूपों के द्वारा होता है।
3. खोरठा भाषा के प्रचार–प्रसार में इनकी भूमिका को विद्यार्थी जान सकेंगे व इसके महत्व को समझेंगे।
4. खोरठा में प्रकाशित पत्र–पत्रिकाओं से परिचित हो सकेंगे।
5. खोरठा पत्र–पत्रिकाओं की क्रमिक विकास एवं वर्तमान स्थिति से अवगत होंगे।
6. पत्र–पत्रिकाओं में उल्लेखित प्रमुख तथ्यों की जानकारी हासिल प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

ईकाई – 1. खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास 01 क्रेडिट
(क) दैनिक (ख) साप्ताहिक (ग) पाक्षिक (घ) मासिक (ड) वार्षिक (च) अनियतकालीन

इकाई – 2. खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं का क्रमिक विकास। 01 क्रेडिट

इकाई – 3. खोरठा भाषा साहित्य में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान 01 क्रेडिट

इकाई – 4. खोरठा भाषा के पत्र–पत्रिकाओं की वर्तमान स्थिति आदि। 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन
2. खोरठा के समस्त पत्र पत्रिकाएँ
3. खोरठा के स्तम्भ प्रकाशित करने वाले पत्र–पत्रिकाएँ
4. खोरठा क्षेत्र से प्रकाशित होने वाले अखबार

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 6

कोड – MAJOR COURSE - MJ -13: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

सामान्य जाति विज्ञान

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थियों सामान्य जाति विज्ञान के अन्तर्गत् भारत में निवास करने वाले सभी जातियों में जातिगत संरचना का ज्ञान प्राप्त करना।
2. प्रजाति एवं समुदाय के आधार पर उनकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करना। उनके रूढ़िगत प्रथाओं की जानकारी के साथ–साथ प्रमुख तथ्यों की जानकारी हासिल प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

सामान्य जाति विज्ञान का परिचय

इकाई – 1. जाति विज्ञान की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता एवं वैशिष्ट्य संस्कृति की अवधारणा और परिवर्त्तन तथा अन्य विषयों सर्जनाएँ औद्योगीकरण एवं शहरीकरण का प्रभाव, जनजाति एवं गैर जनजातियो के विकास, समस्याएँ और समाधान। 02 क्रेडिट

इकाई – 2. जाति विशेष की उत्पति इतिहास, प्रवर्जन आर्थिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था, पर्व–त्योहार, 02 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. झारखंड की जनजातियाँ – डा. चतुर्भुज साहु
2. झारखंड की जनजातियाँ – डा. विमल चरण शर्मा
3. नृजाति विज्ञान – डा. निरंजन कुमार

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय प्रश्न		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -6

कोड– MAJOR COURSE - MJ -14: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

सामान्य भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी सामान्य भाषा विज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 . भाषा विज्ञान की परिभाषा व क्षेत्र, प्रकार,का परिचय, विशेषताएँ,भाषा परिवर्तन के कारण 01 क्रेडिट

इकाई – 2 . भाषा और बोली– परिभाषा, विशेषताएँ, अंतर, बोली भाषा कब बनती है? 01 क्रेडिट

इकाई – 3 . भाषा उत्पति के सिद्धान्त, 01 क्रेडिट

इकाई – 4 . पद विज्ञान, अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान 021 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान – बाबुराम सक्सेना
4. खोरठा का भाषा विज्ञान – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
5. खोरठा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – ए. के. झा

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -6

कोड – MAJOR COURSE - MJ 15: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

सामान्य लोक साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी सामान्य लोक साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	लोक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा, प्रकार, विशेषताएँ एवं महत्व	02 क्रेडिट
इकाई – 2.	लोकगीत, लोककथा–परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएं और महत्व	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	प्रकीर्ण साहित्य–लोकोक्ति, मुहावरा, बुझौवल एवं मंत्र परिभाषा विशेषताएं	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय प्रश्न		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -7

कोड– MAJOR COURSE - MJ -16: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

साहित्य सिद्धांत

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को साहित्य के प्राचीन काल से आधुनिक काल तक का ज्ञान मिलेगा

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	साहित्य की परिभाषा, तत्व–काव्य गुण–काव्य दोष, काव्य रीति, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन	01 क्रेडिट
इकाई – 2.	शब्द–शक्ति एवं रस	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	छंद (परिभाषा एवं लक्षण) – दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, कुंडलियाँ सवैया, कवित	01 क्रेडिट
इकाई – 4.	अलंकार (परिभाषा एवं लक्षण) –अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, विरोधाभास,	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1.	काव्य के तत्त्व	–	देवेन्द्रनाथ शर्मा
2.	साहित्य के विविध आयाम	–	बिसेश्वर प्रसाद केसरी
3.	काव्यशास्त्र	–	भागीरथ मिश्र
4.	साहित्य सिद्धान्त	–	डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

•	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	1×5=5
•	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		5×2=10
•	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		4×15=60
		कुल	75 अंक
•	आंतरिक मूल्यांकन	:	25 अंक
		कुल :	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -7

कोड– MAJOR COURSE - MJ -17: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

प्राचीन भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय साहित्य का ज्ञान मिलेगा।

वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक आदि का ज्ञान मिलेगा।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक आदि। 02 क्रेडिट

इकाई – 2. रामायण, महाभारत तथा कालिदास एवं भवभूति के साहित्यों की सामान्य परिचय 02 क्रेडिट

अनुशंसित सहायक पुस्तकें : –

1. भारत का प्राचीन साहित्य – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न			1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -7

कोड– MAJOR COURSE - MJ -18: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थियों को हिन्ही साहित्य का ज्ञान मिलेगा।

इन्हें हिन्दी साहित्य के आदिकालीन, मध्यकालीन एवं आधुनिककालीन हिन्दी साहित्य की प्रवृतियों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना

हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय–

इकाई – 1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य– सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, आदि। 02 क्रेडिट

इकाई – 2. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य– भक्तिआन्दोलन– निर्गुण– ज्ञानमार्गी, प्रेममार्गी धारा,–सगुण– राममार्गी एवं कृष्णमार्गी काव्यों का सामान्य परिचय 01 क्रेडिट

इकाई – 3 आधुनिककालीन– छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि। 01 क्रेडिट

अनुशंसित सहायक पुस्तकें : –

1. हिन्दी साहित्य का इहिास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
1. हिन्दी साहित्य का समेकित इहिास – डॉ. नगेन्द्र

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -7

कोड– MAJOR COURSE - MJ -19`: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के अन्तर्गत् विभिन्न प्रदेशों की भाषाओं के साहित्य का ज्ञान मिलेगा।
2. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के जनपदीय साहित्य से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. भारतीय साहित्य–तमिल, तेलगु, मराठी, बंगला असमिया, छतीसगढ़ी साहित्य आदि से परिचित होंगे।। 02 क्रेडिट

इकाई – 2. भारतीय साहित्य और झारखंडी साहित्य – आदान–प्रदान स्थापत्य, प्रवृति, विचार (हिन्दी, मराठी, छतीसगढ़ी, बंगला उड़िया आदि) के संदर्भ में । 02 क्रेडिट

अनुशंसित सहायक पुस्तकें : –

1. भारतीय साहित्य की रूपरेखा – डॉ. भोला शंकर व्यास
1. भारतीय साहित्य की भूमिका – डॉ. राम बिलास शर्मा
1. आधुनिक भारतीय साहित्य – डॉ. राजेन्द्र मिश्र

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -8

कोड– MAJOR COURSE - MJ -20: **क्रेडिट–04**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

अनुवाद विज्ञान

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थियों को अनुवाद साहित्य के अन्तर्गत् विभिन्न प्रदेशों की भाषाओं के सम्बन्ध में ज्ञान मिलेगा।
2. विद्यार्थियों को अनुवाद साहित्य के जनपदीय साहित्य से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना

अनुवाद विज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई – 1. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, विशेषताएँ आदि का सम्बन्ध जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं से। 02 क्रेडिट

इकाई – 2 . जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओ से हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में अनुवाद एवं हिन्दी और अंग्रजी से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद। 02 क्रेडिट

अनुशंसित सहायक पुस्तकें : –

1. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोला नाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान – विनोद गोदरे
3. अनुवाद कला :सिद्धान्त एवं प्रयोग – डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया
4. अनुवाद कला – डॉ. विश्वनाथ अय्यर

प्रश्नपत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -8

कोड– RESEARCH COURSE - RC : **क्रेडिट–12**

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

शोध– पत्र

विद्याथिर्यों को इसमें शोधकार्य करना है।यह पत्र तीन सौ (300) अंक का होगा।इसमें विद्यार्थियों को क्षेत्र में जाकर अपने चयनित विषय पर शोध करके उसका प्रतिवेदन चार प्रति टंकन अथवा हस्तलिखित स्पाइरल बांइडिंग में जमा करना होगा। जो यह कार्य नहीं करना चाहेंगे उन्हें बदले में तीन पत्र एडभांस मेजर पत्र की परीक्षा लानी पड़गी।उसका पाठ्यक्रम निर्धारित है जो बगले पृष्ठ में अंकित है।

सहायक पुस्तक–

1. शोध प्रविधि– डॉ. निरंजन कुमार
2. शोध प्रविधि की रूपरेखा– प्रो. बीरबल महतो

SEMESTER - 8

कोड– MAJOR COURSE - AMJ - 1: क्रेडिट–04

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थियों को झारखंड के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीदों का ज्ञान प्राप्त कर चरित्र निर्माण करना ।
2. विद्यार्थियों को आजादी के महानायकों के अपने शूरवीर पूर्वजों के योगदान का ज्ञान प्राप्त करना।
1. विद्यार्थियों को पूर्वजों के गौरव, त्याग, तपस्या एवं देश– प्रेम हेतु बलिदान की भावना को जागृत करना।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. सिद्धो– कान्हू, तिलका मांझी, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, गणपत राय, शेख भिखारी, टिकैत उमराव सिंह, बिरसा मुंडा, बुधु भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलाम्बर– पीताम्बर, सिनगी दई, नारा हो आदि। 02 क्रेडिट

इकाई – 2. अल्बर्ट एक्का, जयपाल सिंह मुंडा, कार्तिक उराँव, बिनोद बिहारी महतो, निर्मल महतो आदि, 02 क्रेडिट

अनुशंसित सहायक पुस्तकें : –

1. झारखंड के शहीद – डॉ. भुवनेश्वर अनुज

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु त्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

• लघु त्तरीय प्रश्न			1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 8

कोड – ADVANCE MAJOR COURSE - AMJ - 2 **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थी झारखण्डी कानून व पारम्परिक शासन व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भूमि से सम्बन्धित कानूनों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी हक और अधिकार के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी पेसा एवं विल्किन्सन रूल से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1.	छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट 1908) एवं संताल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट)	01 क्रेडिट
इकाई – 2.	पंचायती राज्य, शासन व्यवस्था।	01 क्रेडिट
इकाई – 3.	विद्यार्थी हक और अधिकार के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।	01 क्रेडिट
इकाई – 4.	विद्यार्थी पेसा एवं विल्किन्सन रूल से परिचित होंगे।	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट, 1908)
2. संताल परगना काश्ताकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट)
3. झारखण्ड पंचायती राज अधिनियम, 2001

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु त्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

• लघु त्तरीय प्रश्न			1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 8

कोड – ADVANCE MAJOR COURSE - AMJ - 3: क्रेडिट–04

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

झारखण्डी समुदाय के संस्कार और संस्कृति

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थी सभी प्रकार के संस्कारों को जान पायेंगे।
2. विद्यार्थी झारखण्ड की सभी संस्कृतियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी जनजातीय गाँव के रूढ़िगत प्रथाओं एवं परंपराओं के बारे में जान सकेंगे।
4. विद्यार्थी झारखण्ड के पर्व–त्योहारों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1	संस्कृति – संस्कृति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, संस्कृति की विशेषताएँ एवं परिवर्तन के कारण	01 क्रेडिट
इकाई – 2	सदान– सदान की परिभाषा, विशेषताएँ, सदानों का जनजातियों पर प्रभाव	01 क्रेडिट
इकाई – 3	जनजाति – जनजाति की परिभाषा, विशेषताएँ, जनजातियों का सदानों पर प्रभाव	01 क्रेडिट
इकाई – 4	पर्व–त्योहार–सरहुल, करम, सोहराय, जतरा, मागे, बा, भोगता, बिसु, मंडा, टुसू, नवाखानी आदि।	01 क्रेडिट
इकाई – 5	संस्कार–जन्म संस्कार, नामकरण संस्कार, कर्णछेद संस्कार, मुंडन संस्कार, विवाह संस्कार, मृत्यु संस्कार (हड़गड़ी संस्कार)	

सहायक पुस्तकें : –

1. नृजाति विज्ञान– डॉ. निरंजन कुमार
2. झारखण्ड की विरासत – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय प्रश्न		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -1

कोड – MINOR COURSE - MN- !A: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा व्याकरण

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा भाषा व्याकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप से परिचित हों सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1 . खोरठा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव– विकास, नामकरण एवं क्षेत्रीय रूप 01 क्रेडिट

इकाई – 2 . वर्ण विचार, संज्ञा, लिंग, वचन, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, काल, कारक 01 क्रेडिट

इकाई – 3 . अव्यय (क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चबोधक, विस्मयादिबोधक) वाक्य(रचना के आधार पर भेद), एवं समास 01 क्रेडिट

इकाई – 4 . शब्द निर्माण–उपसर्ग–प्रत्यय, (प्रत्यय से भाववाचक संज्ञा एवं विशेषण बनाना) 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरण – ए. के. झा
2. खोरठा भाषा व्याकरण – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा व्याकरण – बीरबल महतो

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 2

कोड – MINOR ELECTIVE (MN -2A) **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

कला, साहित्य एवं संस्कृति

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थी कला एवं साहित्य के संबंध में जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी कला एवं समाज के बीच परस्पारिक संबंध के बारे में समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी खोरठा के सभी कला एवं संस्कृति को जान पायेंगे।

प्रस्तावित संरचना

ईकाई – 1 . कला का सामान्य परिचय, वर्गीकरण, कलाओं का महत्व, झारखण्ड की पारम्परिक प्रमुख कलाएँ–मिट्टी कला, चित्र कला, काष्ठ कला, बाँस कला हस्तकला (सिलाई–कढ़ाई–बुनाई), घास कला, विविध कला 02 क्रेडिट

ईकाई – 2 . कला, साहित्य एवं समाज का अन्तर्सम्बन्ध। 01 क्रेडिट

ईकाई – 3 . कला एवं संस्कृति का अन्तर्सम्बन्ध 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें।

1. झाखण्ड की पारम्परिक कलाएँ – डॉ. गिरिधारी राम गाँझू 'गिरिराज'
2. कला – हंस कुमार तिवारी
3. कला विवेचन – डॉ. विमल कुमार

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे। लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 3

कोड – MN - 1B: **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा लोकसाहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थी खोरठा लोक साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के स्वरूप से परिचित हों सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1	लोकसाहित्य का सामान्य परिचय, प्रकार एवं महत्ता	01 क्रेडिट
इकाई – 2	खोरठा लोकगीत – परिभाषा, वर्गीकरण और महत्व	01 क्रेडिट
इकाई – 3	खोरठा लोककथा – परिभाषा, वर्गीकरण और महत्व	01 क्रेडिट
इकाई – 4	खोरठा प्रकीर्ण साहित्य– लोकोक्ति मुहावरा, बुझौवल :	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें।

1. खोरठा लोक साहित्य – शिवनाथ प्रमाणिक
2. खोरठा लोक साहित्य – प्रकाशक–झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान
3. खोरठा लोक साहित्य सार – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 4

कोड– MINOR ELECTIVE (MN -2B) **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

पारम्परिक वाद्य यंत्र, गीत एवं नृत्य शैलियाँ

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. झारखण्ड पारम्परिक वाद्य–यंत्रों की बनावट, प्रकृति आदि से परिचित हो सकेंगे।
2. खोरठा राग–रागिनी के समग्र रूपों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. खोरठा नृत्य शैली की परिभाषा, प्रकार, विशेषता व महत्व से अवगत हो सकेंगे।
4. झारखण्ड पारम्परिक आभूषणों के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

ईकाई – 1 . राग–रागिनी के परिभाषा एवं वर्गीकरण 01 क्रेडिट
(क) डमकच, (ख) भादरिया, (ग) उदासी, (घ) फगुवा, (ङ) अधरतिया, (च) भिनसरिया, (छ) झूमर, (ज) झिंगा फुलिया, (झ) नटुआ, (ञ) रसधारी, (ट) खेमटा, (ठ) झुमटा, (ड) डांड झुमरा (ढ़) मलहरिया, (ण) चाँचइर, (त) डोहा, (थ) किसानी आदि।

ईकाई – 2 . नृत्य– (क) नृत्य की परिभाषा, (ख) नृत्य की प्रकार,
(ग) नृत्य की महत्व, (घ) नृत्य की विशेषताएँ 01 क्रेडिट

ईकाई – 3 . पारम्परिक आभूषण– 01 क्रेडिट

ईकाई – 4 . वाद्य यंत्र एवं प्रकार–(क) बनावट, (ख) प्रकृति, (ग) आकार–प्रकार 01 क्रेडिट
(मांदर, बाँसुरी, शहनाई, नगाड़ा, ढोल, ढाक, बनम, घंटा, भेइर, नरसिंधा, झांझ, ठेचका, टोहिला आदि।)

सहायक पुस्तकें–

1. झारखण्ड का लोकसंगीत – डॉ. गिरिधारी राम गाँझू 'गिरिराज'
2. झारखण्ड के वाद्ययंत्र – डॉ. गिरिधारी राम गाँझू 'गिरिराज'
3. खोरठा लोक साहित – संयुक्त संपादन

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -5

कोड– MAJOR COURSE - MN - 1C: क्रेडिट–04

अंक–100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का कहानी साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के गद्य विधा का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. खोरठा गद्य साहित्य का परिचय एवं वर्गीकरण 01 क्रेडिट

इकाई – 2. खोरठा कहानी लेखन का इतिहास 01 क्रेडिट

इकाई – 3. पाठ्य पुस्तक–खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ – 02 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

पाठ्य पुस्तक – खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ – सम्पादक– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

•	लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	1×5=5
•	वस्तुनिष्ठ प्रश्न		5×2=10
•	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		4×15=60
		कुल	75 अंक
•	आंतरिक मूल्यांकन	:	25 अंक
		कुल :	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 6

कोड– MINOR ELECTIVE (MN - 2C) **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र एवं झारखण्डी पाक् कला

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

1. विद्यार्थी जनजातियों के युवागृह से परिचित होंगे।
2. जनजातियों की सामाजिक व्यवस्था में युवागृह के महत्त्व से भी परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक सांस्कृतिक केन्द्र एवं झारखण्डी पाक कला के बारे में परिचित होंगे।
4. विद्यार्थी सभी प्रकार के जनजातीय पाकवानों से परिचित होंगे।
5. विद्यार्थी सभी प्रकार के जनजातीय युवागृहों से परिचित होंगे।
6. विद्यार्थी रोग निरोधक पकवानों से परिचत होंगे।

प्रस्तावित संरचना

ईकाई – 1 . धुमकुड़िया, गिता चाड़ी, गितिः ओडाः, गितिः ओअ, गिपितिच्, टाँडी, माँझी अखड़ा। 02 क्रेडिट

ईकाई – 2 . अखड़ा – परिभाषा, सामाजिक महत्व एवं विशेषता। 01 क्रेडिट

ईकाई – 3 . गुड़ पीठा, मडुआ पीठा, खुदी पीठा, पातपोड़ा पीठा, सिंबी लउवा पीठा, मकई, सरई, महुआ लाठो, धुसका, खपरा पीठा, छिलका पीठा, धुधुरू पीठा, डुम्बु, मीट, मछली पकाने की कला, चरपा आदि 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें।

1. झारखण्ड की पारम्परिक कलाएँ – डॉ. गिरिधारी राम गाँझू 'गिरिराज'
2. झारखण्ड की सांस्कृतिक विरासत – डॉ. गिरिधारी राम गाँझू 'गिरिराज'
3. खड़िया जीवन और परम्पराएँ – जोवाकिम डुंगडुंग एस.जे.

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघूत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघूत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER -7

कोड– MAJOR COURSE - MN -1D: क्रेडिट–04

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) समय–03 घंटे

खोरठा भाषा का पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

विद्यार्थियों को खोरठा साहित्य के पद्य खंड में आधुनिक काल का ज्ञान मिलेगा –

प्रस्तावित संरचना

इकाई – 1. आधुनिक काल का परिचय, वर्गीकरण एवं प्रवृतियाँ 02 क्रेडिट

इकाई – 2. पाठ्य पुस्तक–खोरठा कविताक **झोंपा** (केवराक गमक) पाठ – 02 क्रेडिट

पाठ्य पुस्तक – केंवराक गमक (खोरठा कविताक झोंपा) – सम्पादक – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर

प्रश्न पत्र प्रारूप –

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन

• लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	1×5=5
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न			5×2=10
• दीर्घ उत्तरीय प्रश्न			4×15=60
	कुल		75 अंक
• आंतरिक मूल्यांकन		:	25 अंक
	कुल	:	100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक

SEMESTER - 8

कोड– MINOR ELECTIVE - MN 2D **क्रेडिट–04**

अंक –100 (बाह्य–75, आंतरिक–25) **समय–03 घंटे**

खोरठा क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत एवं पर्व त्योहार

पाठ्यक्रम का अधिगम है–

खोरठा क्षेत्र की पुरानी संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर चरित्र निर्माण करना –

प्रस्तावित संरचना

ईकाई – 1 .	खोरठा क्षेत्र की पुरानी विरासत –लोक नृत्य का परिचय एवं वर्गीकरण घोड़ा नाच, छोह नाच, नटुआ, नचना नाच आदि –	01 क्रेडिट
ईकाई – 2 .	वाद्य यंत्र के सुर, लय, ताल	01 क्रेडिट
ईकाई – 3 .	पर्व –त्योहार–करमा, जितिया,	01 क्रेडिट
ईकाई – 4 .	सोंहराइ, बाँउड़ी, सरहुल, मंडा/बिसु	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें : –

1. झारखण्ड की पुरानी विरासत – डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
2. खोरठा लोकगीतों में सुर आर ताल – संदीप कुमार महतो

प्रश्न पत्र प्रारूप–

निर्देशः–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के दो खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' लघु उत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ के उत्तर अपेक्षित होंगे।
4. खंड 'ख' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 6 में से 4 उत्तर अपेक्षित हैं।
5. खंड 'क' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन

- लघु उत्तरीय प्रश्न : 1×5=5
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5×2=10
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4×15=60

कुल 75 अंक

- आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

कुल : 100 अंक

नोट :– आंतरिक परीक्षा – 20 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 25 अंक